रण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मखम। तत्त्वं पषन्नपावण सत्यधर्माय द्रष्ट्रये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मखम। तत्त्वं पषन्नपावण सत्यधर्माय द्रष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मखम। तत्त्वं पषन्नपावण सत्यधर्माय
ישטיר שאי משיעות המישר שאי משיעות איז משיער המשיע שאי משיער שאי משיער השיער איז משיער הפיער המשיער שאי משיער הש שטיר שאי שאינער איז משיער איז מ
रण्मयन पत्रिण सत्यरयापिहत मुखम्। तत्व पूषत्रपायृणु सत्यघमाय दृष्टया। हिरण्मयन पत्रिण सत्यरयापिहत मुखम्। तत्व पूषत्रपायहत मुखम्। तत्व पूषत्रपाय
रण्मयन पात्रण सत्यस्यापिहत मुखम्। तत्त्व पूषन्नपावृणु सत्यधमाय दृष्टय्।। हिरण्मयन पात्रण सत्यस्यापिहत मुखम्। तत्त्व पूषन्नपावृणु सत्यधमाय दृष्टये।। हिरण्मयन पात्रण सत्यस्यापिहत मुखम्। तत्त्व पूषन्नपावृणु सत्यधमाय
रण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं 🦐म्। तत्त्वं पूषन्नपावृJOURNALdOFह FOUNDATIONAL-RESEARCHगु सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुब्बम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषत्रपावण सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं म्ट्र्यम्। तत्त्वं पूषत्रपावृणु सत्यधर्मायVolume XXX, Number IIFJuly 2022त्त्वं पूषत्रपावृणु सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषत्रपावृणुं सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुळम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुख्रम्। तत्त्वं पूषन्नपाय Peer=Reviewed। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहिUGC4CARE प्राsted सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्यContributors in this assue सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पारेण सत्यस्यापिहितं मुझम्। तत्त्वं पूषन्नपाSSN 2395-5635 हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुन्नूम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्यEditorialनुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणुं सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुख्नपावृणुं सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणुं सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषत्रपावण् सत्यधम्यि दृष्ट्रये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखन्मपावण् सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषत्रपावण् सत्यधर्माय
1. Smara in Isā Upanisad (Kānva) and रण्मयेन पात्रेण सत्यध्यापहिता मुख्य निर्मु पुष्ट्रप्रधाय दृष्ट्ये।। हिरण्मयेन पत्रिण सत्यस्यापिहितं मुख्य निर्म स्वयंघर्षिय दृष्ट्ये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषत्रपावृण् सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्यधर्माय दृष्ट्या नहरण्या परिषयाय दृष्ट्या नहरण्यत्व पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुख्न्यावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखन्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखन्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखन्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्य"Love/Desire/Longing" कत्त्वयधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुर्ख्नम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय :
रण्मयेन पात्रेण सत्य %Memory" खम्। तत्त्वं पुषन्नपावण सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं म्रेंद्रम्। तत्त्वं पुषन्नपावण सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पुषन्नपावण सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्य 8ंगावत् Kuyua n Agarwala वृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यधर्माय द्वी
י עלעוצים שהעונים אין
ייייטים ווקע הבייייער אין
रण्मयेन पत्रिण सत्यDiversity अस्म तत्य पूर्वभागपृणु सत्यचमाय दृष्टया। हिरण्मयेन पत्रिण सत्यस्यापिहित मुझम्। तत्त्व पूर्वभागपृणु सत्यधमाय दृष्टया। हिरण्Anubhav Varshneyहितं मुखम्। तत्त्वं पूर्वन्नपायणिहतं मुझम्। तत्त्वं पूर्वन्नपायण् सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्Anubhav Varshneyहितं मुखम्। तत्त्वं पूर्वन्नपायण् सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्य Tandon ं मखम। तत्त्वं पुषन्नपावण सत्यधर्माय दृष्ट्ये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं म् <mark>द्र</mark> म। तत्त्वं पुषन्नपावण सत्यधर्माय दृष्ट्ये।। हिरण् AssociateEditors हितं मखम। तत्त्वं पुषन्नपावण सत्यधर्माय
रामगेन पात्रेण सत्यरणा तितं मुख्या विद्यार्थमाय दृष्या विद्यामगेन पात्रेण सत्यरणा तितं मुख्या वृत्तं प्रथित विद्यार्थ्यातितं मुख्या वृत्तं प्रथमाय दृष्या वित्यार्थ्यातितं मुख्या वृत्तं प्रथमाय वित्यार्थ्यातितं मुख्या वित्यार्थ्यातितं मुख्या वित्यार्थ्यातितं मुख्या वित्यार्थ्यात्वयं वित्यार्थ्यात्वयं वित्यार्थ्यात्वयं वित्य
3. Ludwig Wittgenstein's Tractatus: A 268
ידעעיין איז אראשער אוידער איז אראשער איז אראש אראשער דידער איז אראשער א
ליקמי עוזיי מנמטחות האיזער איזער איזער איזער האיזער איזער איז
रण्मयन पत्रिण सत्य Ranjan K र Panda d पूषत्रपायृण सत्यधमाय दृष्ट्या। हिरण्मयन पत्रिण सत्यस्यापिहत मुखम्। तत्त्व पूषत्रपायहत मुखम्। तत्व पूषत्रपायहत मुखम्। तत्व पूषत्रपायहत मुखम्। तत्त्व पूषत्र
ליישיי יוזיי מעצעוויוונת קשקו מע עשאוועט מעשאוע גניישיי יוזיי מעצעוויונת אשקו מע עשאוועט מעשאוע גניישיי יוזיי מעצעוויונת קשקו מע עשאיועט מעשאוע ההוא ה-Discerning the Liberatory Concerns איזיר פהוואי 293, הבתראווירבי ואבוויניים הבשיווי בשיווי בשיווי בשיווי
ישטים שאין אלטאטועוגה אפאר הלט עשטוטין אלטטאוט גנטאטין אלטטאוט געטאט אלטאטועוגה אפאר געטאטוענג אפאר געטאט ארטע סר Dignāga's Logico-Epismenic
रण्मयन पत्रिण सत्य डेवाmueceaya म्। तत्त्व पूषत्रपार्थण सत्यसंया । हरण्मयन पत्रिण सत्यसंयापहित पुखम्। तत्त्व पूषत्रपार्थहरू कर्द्र कर्ट्र कर्ट्
રખ્યત્વે પાત્રેખ સત્યPankaj Stivastava પૂષત્રપાવૃણ સત્યધમાય દૃષ્ટયા। દિરખ્યયન પાત્રેખ સત્યસ્યાપિદત મૂઝમાં તત્ત્વ પૂષત્રપાવૃણ સત્યધમાય
रण्मयन पत्रिण सत्यस्थापिहत मुखम्। तत्त्व पूषत्रपीवृणु सत्यधमाय दृष्टये।। हिरण्मयन पत्रिण सत्यस्थापिहत मुखम्। तत्त्व पूषत्रपीवृणु सत्यधमाय
रण्मयेन पात्रेण सत्यPankaj Srivastava पूषत्रपावृणु सत्यधर्माय दृष्ट्रये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं म्ख्रम्। तत्त्वं पूषत्रपावृणु सत्यधर्माय दृष्ट्रये।। हिरण्मये पत्रि पूषत्रपावृणु सत्यधर्माय दृष्ट्रये।। हिरण्मये पत्रि पूषत्रपावृणु सत्यधर्माय दृष्ट्रये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषत्रपावृणु सत्यधर्माय दृष्ट्रये।। हिरण्मयेन पत्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषत्रपावृणु सत्यधर्माय दृष्ट्रये।। हिरण्मयेन पत्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषत्रपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पत्रिण सत्यधर्माय रण्मयेन पात्रेण सत्यधर्माय दृष्ट्रयो। हिरण्मयेन पत्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषत्रपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पत्रिण सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पत्रिण सत्यधर्माय दृष्ट्रये।। हिरण्मयेन पत्रिण सत्यधर्माय द्र्ष्टये। हरण्मयेन पत्रिण सत्यधर्माय द्र्ष्टये।। हरण्मयेन पत्रिण सत्यधर्माय द्र्ष्टये।। हरण्मयेन पत्रिण सत्यधर्माय द्र्ष्टये। हरण्मयेन पत्रिण सत्यधर्माय द्र्ष्टये।। हरण्मयेन सत्यधर्माय द्र्ष्टये।। हरण्मयेन पत्रिण सत्यधर्माय द्र्ष्टये।। हरण्मयेन सत्यद्र्ष्ट्राप्त्रेण सत्यधर्माय द्र्ष्टये।। हरण्मयेन सत्य द्र्ष्टये। हरण्मयेन सत्यधर्माय द्र्ष्टये।। हरण्मयेन पत्रिण सत्यधर्माय द्र्ष्ये। तत्त्वं पूषत्रपत्रिण सत्यधर्माय द्र्ष्ये। तत्त्वं पूषत्रपत्रिण सत्यधर्माय द्र्र्ण्ये। तत्त्वं पूषत्रपत्र इप्राणठायाः An Analysis and Review रण्मयेन पात्रेण सत्यधर्माय द्र्ष्ये।। हरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुच्चम्। तत्त्वं पूषत्रपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हरण्मयेन पत्त्व पत्रिण सत्यधर्माय पत्रेण सत्यधर्माय
रण्मयेन पत्रिण सत्य हर्णापीहेत Navnee तत्त्व पूषत्रपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पत्रिण सत्यस्यापिहित मुल्लम्। तत्त्व पूषत्रपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन के स्थिनाय प्रात्रण सत्यधर्माय :
रण्मयन पात्रण सत्यस्यापिहित मुखम्। तत्त्व पूषन्नपावृणु सत्यधमाय दृष्टये।। हिरण्मयन पात्रण सत्यस्यापिहित मुखम्। तत्त्व पूषन्नपावृणु सत्यधमाय दृष्टये।। हिरण्मयन पात्रण सत्यस्यापिहित मुखम्। तत्त्व पूषन्नपावृणु सत्यधमाय
रण्मयेन पात्रे 6 सत्यThe Concept of World Pigture in य दृष्टये।। हिरण्मयेन 342ा सत्यस्यापिहितं 🔄 विष्युम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्य Wittgen stein i अत्य स्वाय प्राय प्
रण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहित मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहित मुखम्। तत्त्व पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहित मुखम्। तत्त्व पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टयेDepartment of Philosophy । तत्त्व पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं पुषन्नपावृणु सत्यधर्माय University of Rajasthan, jaipur त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषत्रपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं 🕺 म्। तत्त्वं पूषत्रपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यधर्माय द्रष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणुं सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणुं सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणुं सत्यधर्माय
रण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।। हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय

JOURNAL OF FOUNDATIONAL RESEARCH

Editorial Board

Abha Singh, Professor, Patliputra University, Patna Ambika Datta Sharma, Professor, Harisingh Gour University, Sagar Asha Mukherjee, Ex-Professor, Visva-bharati, Shantiniketan Ashok Vohra, Ex-Professor, University of Delhi, New Delhi Balaganapathi Devarakonda, Professor, University of Delhi, New Delhi Daniel Raveh, Professor, Tel Aviv University, Tel Aviv, Israel Dilipkumar Mohanta, Professor, Calcutta University, Kolkata H. S. Prasad, Ex-Professor, University of Delhi, New Delhi Indoo Pandey Khanduri, Professor, HNB Garhwal University, Srinagar Jatashankar, Ex-Professor, University of Allahabad, Prayagraj J. L. Shaw, Ex-Professor, Victoria University, Wellington, New Zealand P. K. Mukhopadhyay, Ex-Professor, Jadavpur University, Kolkata Pradeep P. Gokhale, Ex-Professor, SP Pune University, Pune P. R. Bhat, Ex-Professor, IIT Bombay, Mumbai Raghunath Ghosh, Ex-Professor, North Bengal University, Darjeeling Rajaneesh Shukla, Vice Chancellor, MGA Hindi Vishwavidyalaya, Wardha Ramesh Chandra Sinha, Ex-Chairperson ICPR, New Delhi S. Pannerselvam, Ex-Professor, University of Madras, Chennai Founder Editor

Biswambhar Pahi, Late Ex-Professor, University of Rajasthan, Jaipur **Chief Editor**

Arvind Vikram Singh, Professor, University of Rajasthan, Jaipur

Editor

Anubhav Varshney, Assistant Professor, University of Rajasthan, Jaipur Associate Editors

Manish Sinsinwar, Assistant Professor, University of Rajasthan, Jaipur Manish Gothwal, Assistant Professor, University of Rajasthan, Jaipur

The *Journal of Foundational Research* is published biannually, in January and July by the Department of Philosophy, University of Rajasthan, Jaipur-302004, Rajasthan, India.

No paper in this Journal or any part of it may be reproduced, without the publisher's written permission. The present issue was published in July 2022, with partial financial assistance from University of Rajasthan.

Submission of manuscripts

Submissions to the *Journal of Foundational Research* must be made through online submission link available at: <u>www.unirajphilosophy.ac.in</u> or at <u>editorjfruniraj@gmail.com</u>

Instructions for contributors can be found at the aforementioned website and at the back of this issue.

Price: INR 150 (Individual) INR 300 (Institution)

Printed by: Technocrat Printers Pvt. Ltd., Jaipur

a.	Language:	The paper could be in either English or Hindi or Samskrta.		
b.	Originality of the paper:	The paper must not have been previously published elsewhere, nor should it be under-consideration or under-publication in another journal. The authors are requested to undertake a plagiarism check before submission If the paper has been adapted from one's own doctoral or post-doctora work, the same must be duly acknowledged. In case of any discrepancy o the sort pertaining to this and/or any other guideline, the legal onus shal		
		lie entirely with the author.		
c.	Review of submissions:	Submitted paper shall undergo double blind review and published subsequent to referee reports.		
d.	Blinded Manuscript:	The paper must be submitted anonymously to enable blind review following the submission link available on the journal's website. The manuscript must not bear name or other identities of the author(s). The name, institutional affiliation, mail-address for correspondence, may be submitted in a separate document, i.e., the title page.		
e.	Abstract and Keywords:	An abstract of around 150 words and 3-8 keywords must be added at the beginning of the main text.		
f.	Main Text:	Kindly use end-noting. Notes and references must follow the same style as the remaining of the manuscript. Kindly avoid lengthy end-notes, keeping the same to a minimum.		
g.	Referencing:	MLA or Chicago style may kindly be preferred.		
h.	Font style:	For English, kindly follow Cambria or Times New Roman, font size 12, 1.5 spacing, For Hindi, Kruti Dev font style is preferred.		
i.	Interdisciplinary Papers: Only such interdisciplinary papers shall be considered which have t			
		primarily with philosophy or unravel a fresh intersection of another discipline with philosophy. Contributors making interdisciplinary submissions must avoid jargon and nuances of other disciplines.		
j.	Length of paper:	Normally papers (inclusive of notes and references) exceeding 10,000 words shall not be accepted.		
k.	After Review:	The authors will be communicated changes if any and given a time period of not more than five days to make the moderations.		
1.	After Acceptance:	The authors will be intimated and may be mailed a paper-set soft copy of manuscript for proof reading. The same must be done within five days Only minor changes shall be entertained at this stage.		
m.	Author's copy:	Contributing authors shall receive for free a soft-copy and a hard copy of		
	machior o copy.	some building authors shall receive for nee a sole copy and a hard copy		

Research Notes and Comments: The journal welcomes brief research notes and comments upon research articles published in it. Such comments will be open for rejoinders by the original author. Normally, no more than two round of comments and rejoinders will be allowed. Such comments and rejoinders must be brief and must not exceed 1000 words. Set of instructions and procedure for publication of notes and comments/rejoinders is same as that for full-fledged articles.

the issue incorporating their paper.

Request to Authors: The authors are requested to bear in mind that it may take over a year for a final decision on their submission. As such, the authors are sincerely requested not to make any inquiries on their submission before a year.

Journal Submission, Subscription and Enquiry

Submission Link:

Blind manuscript, along with a separate title page may be mailed for consideration to editorjfruniraj@gmail.com

Subscription Fee:

Subscription Type	Individual	Institution
Single Issue	INR 150/-	INR 300/-
Annual	INR 300/-	INR 600/-
Seven Years	INR 2000/-	INR 4000/-

Subscription Form may be downloaded from the Download section of the journal's website. Duly filled forms may be mailed at editorjfruniraj@gmail.com or hodphilosophyuniraj@gmail.com or sent to the Head, Department of Philosophy, University of Rajasthan, Jaipur-302004, through post.

Payment Mode- NEFT of the requisite amount may be made in favour of "Seminar and Students Fund, Department of Philosophy, University of Rajasthan Jaipur", A/C No.-674701702067, IFSC-ICIC0006747, ICICI Bank, Bapu Nagar Branch, Jaipur. NEFT details must be mentioned in the form.

Contributors shall get a hard-copy of the issue consisting of their paper, for free.

Contact the Journal:

For submission or publication related inquiries mails be sent to hodphilosophyuniraj@gmail.com or editorjfruniraj@gmail.com

Journal's website : www.unirajphilosophy.ac.in

JOURNAL OF FOUNDATIONAL RESEARCH

Volume XXX, Number II-July 2022

Peer-Reviewed ISSN 2395-5635 **UGC-CARE** Listed

Chief Editor Arvind Vikram Singh Editor Anubhav Varshney Associate Editors Manish Sinsinwar Manish Gothwal



Department of Philosophy University of Rajasthan, Jaipur 2022

JOURNAL OF FOUNDATIONAL RESEARCH

Editorial Board

Abha Singh, Professor, Patliputra University, Patna Ambika Datta Sharma, Professor, Harisingh Gour University, Sagar Asha Mukherjee, Ex-Professor, Visva-bharati, Shantiniketan Ashok Vohra, Ex-Professor, University of Delhi, New Delhi Balaganapathi Devarakonda, Professor, University of Delhi, New Delhi Daniel Raveh, Professor, Tel Aviv University, Tel Aviv, Israel Dilipkumar Mohanta, Professor, Calcutta University, Kolkata H. S. Prasad, Ex-Professor, University of Delhi, New Delhi Indoo Pandey Khanduri, Professor, HNB Garhwal University, Srinagar Jatashankar, Ex-Professor, University of Allahabad, Prayagraj J. L. Shaw, Ex-Professor, Victoria University, Wellington, New Zealand P. K. Mukhopadhyay, Ex-Professor, Jadavpur University, Kolkata Pradeep P. Gokhale, Ex-Professor, SP Pune University, Pune P. R. Bhat, Ex-Professor, IIT Bombay, Mumbai Raghunath Ghosh, Ex-Professor, North Bengal University, Darjeeling Rajaneesh Shukla, Vice Chancellor, MGA Hindi Vishwavidyalaya, Wardha Ramesh Chandra Sinha, Ex-Chairperson ICPR, New Delhi S. Pannerselvam, Ex-Professor, University of Madras, Chennai Founder Editor

Biswambhar Pahi, Late Ex-Professor, University of Rajasthan, Jaipur **Chief Editor**

Arvind Vikram Singh, Professor, University of Rajasthan, Jaipur **Editor**

Anubhav Varshney, Assistant Professor, University of Rajasthan, Jaipur **Associate Editors**

Manish Sinsinwar, Assistant Professor, University of Rajasthan, Jaipur Manish Gothwal, Assistant Professor, University of Rajasthan, Jaipur

The *Journal of Foundational Research* is published biannually, in January and July by the Department of Philosophy, University of Rajasthan, Jaipur-302004, Rajasthan, India.

No paper in this Journal or any part of it may be reproduced, without the publisher's written permission. The present issue was published in July 2022, with partial financial assistance from University of Rajasthan.

Submission of manuscripts

Submissions to the *Journal of Foundational Research* must be made through online submission link available at: <u>www.unirajphilosophy.ac.in</u> or at <u>editorjfruniraj@gmail.com</u>

Instructions for contributors can be found at the aforementioned website and at the back of this issue.

Price: INR 150 (Individual) INR 300 (Institution)

Printed by: Technocrat Printers Pvt. Ltd., Jaipur

Contents

	Contributors in this issue	iv
	Editorial	v
1.	Smara in Īśā Upaniṣad (Kāṇva) and Smṛti in the Bhagavadgītā: Interplay between "Love/Desire/Longing" and "Memory" Binod Kumar Agarwala	217
2.	Schools of Buddhism: Unity in Diversity Ambika Datta Sharma and Mohit Tandon	248
3.	Ludwig Wittgenstein's Tractatus: A Prologue on its Written and Unwritten Parts Ranjan K. Panda	268
4.	Discerning the Liberatory Concerns of Dignāga's Logico-Epistemic Scheme: Thinking through <i>Pramāņa-</i> <i>samuccaya</i> Pankaj Srivastava	293
5.	Passion and Erotic in Plato's Symposium: An Analysis and Review Rekha Navneet	320
6.	The Concept of World-Picture in Wittgenstein's <i>On Certainty</i> Lalruatfela	342

Contributors in this issue

Binod Kumar Agarwala Ex-Professor Department of Philosophy North-Eastern Hill University, Shillong

Ambika Datta Sharma Professor Department of Philosophy Dr. Harisingh Gour University, Sagar Senior Fellow, ICPR

Mohit Tandon Assistant Professor Department of Philosophy SP Phule Pune University, Pune

Ranjan K. Panda Professor (Philosophy) Department of Humanities and Social Sciences IIT-Bombay, Powai, Mumbai

> Pankaj Srivastava Assistant Professor Department of Philosophy Panjab University, Chandigarh

Rekha Navneet Associate Professor Department of Philosophy, Gargi College University of Delhi, New Delhi

> Lalruatfela Faculty Member Department of Philosophy Pachhunga University College University of Mizoram, Aizawl